an>

Title: Need to construct new railway line from Anandpur Sahib to Amritsar.

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा (आनंदपुर साहिब) : महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में बहुत ही महत्वपूर्ण मामला लाना चाहता हूं। आनंदपुर साहिब से अमृतसर के लिए नई रेलगाड़ी चलाने की मांग है। चंडीगढ़ से लुधियाना के लिए वाया न्यू मरिडा रेल लाइन बनी है। आनंदपुर साहिब की रेल लाइन न्यू मरिडा से जुड़ जाती है। आप जानती हैं कि आनंदपुर साहिब की 350वीं सालगिरह मनाई जा रही है और देश- दुनिया भर के लोग, संत महापुरुष हजारों की संख्या में वहां आते हैं। आपके क्षेत्र के लोग भी वहां जाते हैं। रास्ते में सड़कों पर ट्रैफिक जाम हो जाता है। वहां के लिए रेलगाड़ी की व्यवस्था होनी चाहिए। आप इस देश में आनंदपुर साहिब का महत्व जानती हैं। आज देश एक, संस्कृति एक, देश एक, बसावट एक, देश एक धर्म अनेक, यह जो बन सका है, यह गुरु तेगबहादुर साहब के बलिदान के कारण है। मैंने आपसे मिलकर भी कहा था कि गुरु तेगबहादुर साहब का बलिदान दिवस देश में फ्रीडम ऑफ वर्शिप के नाम पर मनाया जाए। इस दिन सारे देश में छुट्टी हो, समागम हो। यहां कोई स्मारक बनना चाहिए जिससे आने वाली जनरेशंस गुरु तेगबहादुर साहब के संदेश - भाई काहूं को देत नहन, नहन भाई मानत आन।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप दोनों बातें एकत्रित मत कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रेम सिंह चन्दूमाजरा : गुरु तेगबहादुर साहब को इस बात का गौरव है कि इस देश में अगर धर्म बचा है, धर्म की पूजा बची है तो उनके बलिदान के कारण बची है।...(व्यवधान) उन्होंने कहा है -तिलक जंजु राखा प्रभ ताका।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है। प्लीज़, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है।

.â€¦(व्यवधान)*